राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,19मई2020 वर्ष–2, अंक –76 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब ओबामा तो ट्रंप ने कहा अयोग्य राष्ट्रपति

वॉशिंगटन (ईएमएस)। कोरोना वायरस को रोकने में असफल रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आलोचनाओं को नहीं झेल पा रहे हैं। उन्होंने आलोचना किए जाने पर अपने पूर्ववर्ती बराक ओबामा पर निशाना साधा और कहा कि वह एक अयोग्य राष्ट्रपति थे। दरअसल, कॉलेज से ग्रैजुएट हुए स्टूडेंट्स से वीडियो लिंक के जरिये बातचीत में ओबामा ने सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा था कि उनमें से कई ऐसे हैं जो प्रभार संभालते नहीं दिख रहे हैं। ओबामा ने कहा, इस महामारी ने इस बात से पूरी तरह से पर्दा हटा दिया है कि कई प्रभारी अधिकारी जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं। उनमें से कई ऐसे हैं जो यह भी नहीं दिखा रहे कि उनपर प्रभार है। ओबामा ने इससे पहले कोरोना के खिलाफ जंग में अमेरिकी प्रशासन के रवैये को अराजक आपदा करार दिया था। अब ट्रंप ने उनपर हमला करते हुए कहा, देखिए, वह एक अयोग्य राष्ट्रपति थे। यही मैं कह सकता हूं। बेहद अयोग्य। इसके साथ ही ट्रंप ने अमेरिका में वायरस को रोकने के अपने प्रशासन के प्रयास की तारीफ की और दावा किया कि उन्होंने इस दिशा में काफी प्रगति की है।

अफगानिस्तान में फिर आत्मघाती हमला, पांच लोगों की मौत और 40 घायल

काबुल (ईएमएस)। पूर्वी अफगानिस्तान में सोमवार सुबह आत्मघाती हमलावर ने खुफिया विभाग के दफ्तर के पास चोरी किए हुए सैन्य वाहन से विस्फोट कर दिया। इस धमाके में कम से कम पांच कर्मियों की मौत हो गई। पूर्वी गजनी प्रांत के प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता आरिफ नूरी ने कहा कि गजनी शहर के पास हुए इस हमले में खुफिया विभाग के कम से कम 40 कर्मी घायल हो गए। नूरी ने कहा कि हमलवार ने चोरी किए हुए सैन्य वाहन हमवी का इस्तेमाल कर खुफिया विभाग के कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार को निशाना बनाकर विस्फोटकों से भरे वाहन को उड़ा दिया। हमले की किसी ने तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन गजनी में तालिबान सक्रिय है और पूर्व में किए गए हमलों की कई बार जिम्मदारी ले चुका है। इसके पहले देश के राष्ट्रपति अशरफ गनी और उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने सत्ता साझा करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किया। इससे दो माह पूर्व दोनों ने सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनावों में खुद को विजेता बताया था।

दाऊद का गुर्गा टाइगर हनीफ नहीं आएगा भारत

लंदन (ईएमएस)। भारत में वांछित अंडरवल्र्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के मददगार टाइगर हनीफ को ब्रिटेन प्रत्यर्पित नहीं करेगा। ब्रिटिश सरकार ने हनीफ के प्रत्यर्पण का भारत सरकार की ओर से किया गया अनुरोध ठुकरा दिया है। वहां के गृह विभाग ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, भारत में अंडरवल्र्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का कथित सहयोगी टाइगर हनीफ गुजरात के सूरत शहर में 1993 में हुए दो बम विस्फोटों के मामले में वांछित है। ब्रिटिश सरकार ने उसके प्रत्यर्पण के लिए किया गया भारत का अनुरोध ठुकरा दिया है।–दइेच;हनीफ का पूरा नाम मोहम्मद हनिफ उमेरजी पटेल है। वह ग्रेटर मैनचेस्टर के बोल्टॉन के एक किराना दुकान में देखा गया था। इसके बाद स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस ने प्रत्यर्पण वारंट के आधार पर उसे फरवरी 2010 में गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद साल 2012 में जून में तत्कालीन गृह मंत्री टेरेसा मे ने हनीफ के प्रत्यर्पण का पहला आदेश जारी किया था। इसके बाद से ही हनीफ खुद को बचाने के लिए तमात प्रयास करता रहा। हनीफ (57) ने ब्रिटेन में रहने का प्रयास के तहत ब्रिटिश अधिकारियों को बार–बार यह कहते हुए भरोसा दिलाया कि भारत भेजे जाने पर वहां उसे प्रताड़ित किया जाएगा। ऐसे में आखिरकार, गृह मंत्री साजिद जावेद के कार्यकाल में उसे कानूनी सफलता मिली और पाकिस्तानी मूल के मंत्री (जावेद) ने पिछले साल उसके भारत प्रत्यर्पण के अनुरोध को खारिज कर दिया।

महिलाओं को 45 की उम्र में होता है आकर्षण कम होने का अहसास

एक ताजा अध्ययन में पता चला

वाशिंगटन (ईएमएस)। एक ताजा सर्वेक्षण में पता चला है कि महिलाएं 45 की उम्र में पहुंचने पर उन्हें लगता है कि अब उनका आकर्षक कम हो रहा है, इसलिए पुरुष उन पर ध्यान नहीं देते हैं। ऐसा ही अनुभव पुरुषों को 47 की उम्र में होता है। हार्ले स्ट्रीट कॉस्मेटिक सर्जन डॉक्टर जूलियन डी सिल्वा द्वारा 2000 महिलाओं और पुरुषों पर किए गए सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। लंदन में 'एडवांस्ड फेशियल कॉस्मेटिक एंड प्लास्टिक सर्जरी सेंटर' के डॉ डी सिल्वा ने कहा कि चाहे हम इसे पसंद करें या नहीं, लेकिन यह स्थिति महिला–पुरुष दोनों में पचास के दशक में आती ही है। सर्वे में शामिल 45 वर्ष की महिला हस्तियों में हॉलीवुड अभिनेत्री ग्वेनीथ पाल्ट्रो, कैमरून डायज और थैंडी न्यूटन भी शामिल रहीं। जबकि उम्र बढ़ने के प्रभाव को महसूस करने वाले पुरुषों में हॉलीवुड अभिनेता मैट डेमन, इवान मैकग्रेगर और डेविड टेनेंट आदि भी शामिल रहे। सर्वे के दौरान दो तिहाई से अधिक महिलाओं ने कहा कि 40 की उम्र पर पुरुष उनकी तरफ कम आकर्षित होने लगते हैं, जबकि 45 की उम्र तक आकर्षण में यह गिरावट और बढ़ जाती है। वहीं 46 फीसदी महिलाओं ने कहा कि काश फिर से 20 से 30 की उम्र में वापस पहुंच कर आनंद उठा पाते। 43 फीसदी महिलाओं ने कहा कि सफेद बाल, चेहरे पर आई झुर्रियों जैसे उम्र बढ़ने के संकेत आकर्षण को कम करते हैं। पुरुषों को 47 की उम्र में लगता है कि अब वे आकर्षक नहीं रहे, महिलाएं उनकी तरफ ध्यान नहीं देती हैं।

दिल्ली–नोएडा बॉर्डर सहित कई इलाकों में लगा लंबा जाम

नई दिल्ली (ईएमएस)।कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर लागू देशव्यापी लॉकडाउन में 31 मई तक किए गए सशर्त विस्तार के बाद सोमवार को दिल्ली–गुरुग्राम और दिल्ली–नोएडा सीमा पर बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन देखा गया। भले ही शर्तों के साथ प्रतिबंधों को दो सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया हो, लेकिन लोग अपने कायार्लयों में जाने के लिए घरों से बाहर निकले। इसके चलते दक्षिण दिल्ली को नोएडा से जोड़ने वाले दिल्ली–नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) मार्ग पर सोमवार सुबह भारी ट्रैफिक देखा गया। कायार्लयों में जाने के इच्छुक कई लोग सोमवार सुबह बाहर निकले, जिसके बाद चेक पोस्ट पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गई। सीमा पर तैनात पुलिस ने यात्रा करने वाले लोगों के पास और पहचान पत्र की जांच की। इस दौरान लंबा जाम लग गया। दिल्ली–गुरुग्राम की सीमा पर भी कुछ इसी तरह के दृश्य देखने को मिले। यहां भी लोग अपने कायार्लय जाने के लिए घरों से बाहर निकले। राष्ट्रीय राजधानी में भी यातायात में वृद्धि देखी गई। आयकर कायार्लय (आईटीओ) और अन्य क्षेत्रों में कई वाहन सड़कों पर देखाई दिए। केंद्र सरकार के दिशानिदेर्शों के आधार पर बाद में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिन में शहर के लिए प्रतिबंधों व रियायतों पर एक विस्तृत योजना के बारे में जानकारी देंगे। गौरतलब है कि 25 मार्च से लागू किए गए लॉकडाउन का तीन बार विस्तार किया जा चुका है।

बच्चों के साथ मुंबई से आजमगढ़ लौट रहे मजदूर की मौत, शव फेंक भागा ट्रक ड्राइवर

शिवपुरी (ईएमएस)। मध्य प्रदेश में मानवता को शर्मसार करने वाली एक खबर आई है। शिवपुरी जिले के करैरा में मुंबई से आजमगढ़ जा रहे मजदूरों से भरी ट्रक में अचानक एक मजदूर की तबीयत बिगड़ जाने से उसकी मौत हो गई। ट्रक चालक मजदूर को सड़क किनारे फेंककर वहां से फरार हो गया। उसकी तीन नाबालिग बेटियां भी साथ थीं।

मृतक हंसराज जायसवाल के साले का कहना है कि मेरे जीजाजी लकवा के मरीज थे। हम सब मुंबई के ठाणे में काम करते थे। लॉकडाउन में सोचा गांव चलें, तो उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के लिए ट्रक से चल दिए। रास्ते में मौत हो जाने से ट्रक वाला शिवपुरी–झांसी रोड पर सड़क किनारे हम सबको छोड़कर चला गया।

इस सिलसिले में करैरा के तहसीलदार गौरीशंकर बैरवा का कहना है कि ट्रक वाला हंसराज की मौत के बाद उसके शव और परिजनों को सड़क किनारे छोड़ चला गया। उसकी तीन नाबालिग बेटियां भी साथ थीं। यह जानकारी हमने कलेक्टर को दी। इसके बाद लाश समेत परिजनों को उनके गांव तक भेजने की व्यवस्था एंबुलेंस से कर दी गई है।

शिवपुरी में ट्रक से मजदूर को उतार फेंकने का यह पहला मामला नहीं है। 15 मई को अमृतलाल नामक युवक सूरत से उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में ट्रक से जा रहा था। शिवपुरी के बायपास चौराहे के निकट आते–आते युवक की तबीयत बिगड़ जाने से बेहोश हो गया। इस कारण युवक को चौराहे पर उतारकर ट्रक आगे निकल गया।

अमृत के साथ उसका मुस्लिम दोस्त सयूब मोहम्मद भी मदद के लिए उतर गया। उसे कोलारस के सरकारी अस्पताल भेजा गया। वहां गंभीर हालत देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया। हालत को नाजुक देखते हुए उसे वेंटिलेटर पर रखा गया और कोरोना सैंपल लिया गया। रात 12 बजे के करीब अमृतलाल की मौत हो गई।

डेढ़ किमी विशाल उल्का पिंड 12किमी प्रति सेकेंड की रफ़्तार से धरती को ओर आ रहा, नासा अलर्ट

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिकी अंतरिक्ष संस्था नासा के सेंटर फॉर नियर–अर्थ ऑब्जेक्ट स्टडीज ने बताया है कि एक डेढ़ किलोमीटर बड़ा उल्का पिंड तेजी से धरती की तरफ आ रहा है। ये उल्का पिंड 21 मई को धरती की कक्षा में प्रवेश करेगा। ये उल्का पिंड 16 जनवरी 1997 को पहली बार नज़र में आया था और तभी से नासा ने इसे अलर्ट पर डाला हुआ है। ऐसे 2000 से ज्यादा उल्का पिंड है जिन्हें नासा की संस्थाएं ट्रेक कर रहीं हैं। हालांकि इस उल्का पिंड से किसी भी तरह के नुकसान का कोई अनुमान नहीं है। नासा के मुताबिक इस उल्का पिंड का आकार 670 मीटर से 1.5 किलोमीटर के बीच है। इसकी लंबाई 4921 फीट जबकि चौड़ाई 2198 फीट मापी गयी है। ये अपोलो क्लास का उल्का पिंड है जिसका नाम नासा ने नियो रखा है। ये गुरुवार 21 मई को शाम 9:45 बजे धरती की कक्षा में प्रवेश करने वाला है। नासा के अनुमान के मुताबिक इस उल्का पिंड की गति 11.68 किलोमीटर प्रति सेकेंड या फिर 26,127 मील प्रति घंटा के आस–पास होगी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नासा के नेशनल नियर–अर्थ ऑब्जेक्ट स्ट्रेटजी विभाग के मुताबिक 1 किलोमीटर से बड़े किसी भी उल्का पिंड के धरती की कक्षा में दाखिल होने की स्थिति में चेतावनी जारी की जाती है। अगर इतना बड़ा कोई भी उल्का पिंड धरती से टकरा गया तो विनाश हो सकता है। इनके टकराने से भूकंप, सुनामी और कई तरह की आपदाएं जन्म ले सकती हैं। डायनोसॉर के धरती से ख़त्म होने के पीछे एक 10 किलोमीटर बड़ा एक उल्का पिंड था।

कोरोना वायरस वैक्सीन का बंदरों पर सफल

लंदन (ईएमएस)।भयावह महामारी कोरोना वायरस की वैक्सीन का बंदरों पर सफल परीक्षण कर ?लिया गया है। यह दावा ?किया है ब्रिटेन की ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी ने। यूनिवर्सिटी का कहना है कि उसको सकारात्मक नतीजे मिले हैं। बंदरों पर की गई स्टडी में वायरस के खिलाफ इम्यूनिटी बढ़ती देखी गई है और कोई साइड इफेक्ट भी नहीं मिला है। फेफड़ों और सांस की नली के टिशू में वायरस काफी कम मात्रा में पाया गया जबकि जिन जानवरों को वैक्सीन नहीं दी गई थी उनमें यह काफी बढ़ा हुआ था। जिन जानवरों को वैक्सीन दी गई थी उन्हें निमोनिया भी नहीं हुआ।' स्टडी में यह भी पाया गया कि ज्यादा कोरोना वायरस और फिर वैक्सीन से इन्जेक्ट किए जाने पर किसी भी बंदर में वायरल

ब्रिटेन की ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी को सकारात्मक नतीजे मिले

सीएचएडीओग1 एनसीओवी–19 का ट्रायल कर रहे रीसर्चर्स ने बताया है कि वैक्सीन का ट्रायल 6 रेसस मस्क्यू बंदरों पर किया गया जिसमें पाया गया कि उनका इम्यूनिटी सिस्टम वायरस से लड़ने के लिए तैयार हो गया।

स्टडी में पाया गया कि वैक्सीन की एक डोज से फेफड़ों को होने वाला

नुकसान भी बचाया जा सका। कोरोना का सबसे बड़ा हमला शरीर में फेफड़ों पर ही होता है। वैक्सीन शरीर को वायरस से लड़ने के लिए जरूरी सेल्स और ऐंटीबॉडी बनाने में मदद करती है। रीसर्चर्स ने बताया, सार्स–कोव–2 से पीड़ित जिन जानवरों को वैक्सीन दी गई थी, उनके निमोनिया नहीं था। न ही वैक्सीन का कोई साइड इफेक्ट पाया गया। हालांकि, फिलहाल यह पुष्ट होना ज्यादा जरूरी है कि क्या इंसानों पर भी इसका इतना ही असर होगा। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के जेनर इंस्टिट्यूट की वैक्सनॉलजी प्रफेसर सेरा गिलबर्ट का कहना है कि ज्यादा आबादी पर इस्तेमाल करने से पहले इसे टेस्ट करके डेटा लिया जाना है और साबित करना है कि यह काम करती है और वायरस को फैलने से रोकती है।

ब्रिटेन की दवा बनाने वाली कंपनी आस्ट्राजेनेका ने ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के साथ पार्टनरशिप की है और दावा किया है कि ट्रायल सफल होने पर साल के अंत तक दवा के 100 मिलियन डोज तैयार कर लिए जाएंगे। हालांकि, अब यह भी एक समस्या है कि टेस्ट के लिए जरूरी प्राकृतिक तौर पर वायरस की चपेट में आने वाले ऐक्टिव ममलों की संख्या शायद पर्याप्त नहीं है।दूसरी ओर अगले महीने तक ब्रिटेन के फ्रंटलाइन हेल्थवर्कर्स पर किए गए पहले बैच के ट्रायल के नतीजे आने की भी उम्मीद है। अगर ब्रिटेन में ट्रायल सफल होता है तो ऑक्सफर्ड की टीम केन्या मेडिकल रीसर्च इंस्टिट्यूट के साथ मिलकर केन्या की सरकार से वहां टेस्ट करने की इजाजत लेगी। इस बात की भी तैयारी की जा रही है कि वैक्सीन के बनने के साथ ही बड़े स्तर पर इसका उत्पादन किया जा सके ताकि विकासशील देशों में इसे पहुंचाया जा सके जहां जरूरत ज्यादा है।

10 साल की भारतीय–अमेरिकी बच्ची को ट्रम्प ने किया सम्मानित

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कोविड–19 से निपटने के लिए अग्रिम मोर्चे पर तैनात नर्सों और दमकल विभाग के कर्मियो को कुकीज और कार्ड भेजने वाली 10 साल की श्रव्या अन्नापारेड्डी को सम्मानित किया है। श्रव्या 'गर्ल स्काउट टूप' की सदस्य है और मैरीलैंड के हनोवर हिल्स एलीमेंट्री स्कूल की छात्रा है।राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों की मदद कर रहे अमेरिकी नायकों को सम्मानित किया, जिसमें यह बच्ची भी शामिल है।राष्ट्रपति के हवाले से कहा कि आज हम जिन पुरुषों और महिलाओं को सम्मानित कर रहें है, वे हमें याद दिलाते हैं कि कठिन समय में भी जो स्नेह हमें बांधता है वह हमें नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है।श्रव्या 'गर्ल स्काउट' की उन तीन बच्चियों में शामिल हैं, जिन्हें ट्रम्प ने सम्मानित किया। उसके माता–पिता आंध्र प्रदेश के हैं। खबर के अनुसार 'गर्ल स्काउट' की इन लड़कियों ने स्थानीय डॉक्टरों, नर्सों और दमकल कर्मियों को कुकीज के 100 डब्बे भेजे थे। इन्होंने उन्हें हाथ से बनाकर 200 कार्ड भी भेज थे।

लॉकडाउनः महाराष्ट्र ने राज्यों को दिलाई गाइडलाइंस की याद, पाबंदियां नहीं घटा सकते

नई दिल्ली (ईएमएस)। लॉकडाउन 4 में छूट के लिए केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को ज्यादा अधिकार जरूर दिए हैं, लेकिन राज्य सरकारें एक दायरे में ही फैसले ले पाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों को इस बारे में लिखा है कि लॉकडाउन में राहत जरूर दी गई है, लेकिन राज्य सरकार गृह मंत्रालय की गाइडलाइंस को दरकिनार कर प्रतिबंधों को कम नहीं कर सकती हैं। केंद्र सरकार ने रविवार को 31 मई तक 14 दिन के लिए देशव्यापी लॉकडाउन बढ़ाने का फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान के मुताबिक लॉकडाउन 4.0 नये नियमों वाला है। लॉकडाउन 4 ।0 में केंद्र ने राज्य सरकारों को किस तरह छूट दी जाये इसकी आजादी दी है। राज्य सरकारें अपने हिसाब से दुकानें खोलने से लेकर दूसरी गतिविधियों पर फैसले ले सकती हैं। लेकिन राज्य सरकारें इन निर्णयों के साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय की गाइडलाइंस के तहत जो पाबंदियां लगाई गई हैं, उन्हें कम नहीं कर सकती हैं।

गृह सचिव ने इस संबंध में राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को पत्र भी लिखा है। इस पत्र में लिखा गया है कि लॉकडाउन प्रतिबंधों में व्यापक छूट दिए जाने के बावजूद, राज्य या संघशासित प्रदेश महाराष्ट्र की गाइडलाइंस के तहत लगाए गए प्रतिबंधों को कम नहीं कर सकते। इसके अलावा ये भी लिखा गया है कि अगर राज्य चाहें तो कुछ अन्य गतिविधियों पर रोक लगा सकते हैं, लेकिन पाबंदियां घटा नहीं सकते हैं।

आईपीएस अधिकारी को अंदर टहलने की इजाजत देने पर कब्बन पार्क प्रभारी सस्पेंड

बेंगलुरु (ईएमएस)। कोरोना वायरस की महामारी के कारण देश में लॉकडाउन लागू है। लॉकडाउन के तीन चरणों के दौरान यातायात के साधनों के साथ ही पार्क और ग्राउंड भी बंद कर दिए गए थे। किसी को भी मॉर्निंग वॉक की भी इजाजत नहीं थी। लॉकडाउन के दौरान नियमों की खूब धज्जियां उड़ीं। आरोप है कि पुलिस की मिलीभगत से सिगरेट आदि भी बिके, वहीं कुछ रसूखदार लोगों ने पार्कों में मॉर्निंग वॉक भी किए।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी को अंदर टलने की इजाजत देने के मामले में सरकार ने कब्बन पार्क की प्रभारी को सस्पेंड कर दिया है। प्रदेश सरकार की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। हालांकि, रोक के बावजूद टहलने की अनुमति लेकर पार्क में टहलने वाले आईपीएस अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

गौरतलब है कि बागवानी विभाग की उपनिदेशक जी कुसुम के पास कब्बन पार्क का प्रभार था। लॉकडाउन के दौरान कब्बन पार्क को भी नागरिकों के लिए बंद कर दिया गया था। पार्क में किसी को आने की इजाजत नहीं थी। आरोप था कि कुसुम ने एक आईपीएस अधिकारी को पार्क के अंदर टहलने की अनुमति दी। सरकार ने नोटिस जारी कर जी कुसुम से इस मामले में जवाब मांगा था। अब उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है।

बता दें कि पिछले दिनों पुलिस विभाग के तीन अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई थी। इन पुलिस अधिकारियों पर सिगरेट के डीलरों से रिश्वत लेकर सिगरेट की बिक्री में उनकी सहायता करने का आरोप लगा था, जबकि लॉकडाउन के दौरान सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध था। जांच में आरोप सही पाए जाने पर पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था। अब बागवानी विभाग की उपनिदेशक को सस्पेंड किए जाने से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है।

पाकिस्तान की ओर से आई टिड्डियों के दल ने उदयपुर में फसलों पर किया हमला

उदयपुर (ईएमएस)। पाकिस्तान से भारत में एक बार फिर प्रवेश कर चुका टिड्डियों का दल राजस्थान के उदयपुर में किसानों की फसलों को तबाह कर रहा है। सीमावर्ती क्षेत्रों में इन टिड्डियों में किसानों को जमकर नुकसान भी पहुंचाया है। टिड्डी दल उदयपुर के कोटडा कस्बे तक पहुंच गया जहां फसलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की।

उदयपुर के झाडोल विधानसभा के कोटडा में पाकिस्तान से जोधपुर होता हुआ यह दल उदयपुर पहुंचा। कोटड़ा के आसमान में टिड्डी दल ने जैसे ही डेरा डाला किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें छा गई, लेकिन मेहनतकश किसानों ने हिम्मत नहीं हारी और टिड्डियों को भगाने के हर संभव प्रयास में जुट गए।

किसानों ने टिड्डी दल को भगाने के लिए कहीं आग लगाई तो कहीं खेतों में ढोल और थाली बजाकर कोशिश की। कोटडा में टिड्डी दल ने किसानों की मूंग व सब्जी की फसल को मामूली नुकसान पहुंचाया। टिड्डी दल द्वारा अचानक किए गए इस हमले से किसानों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, जिससे वे अपने क्षेत्रों में काफी हद तक फसलों को सुरक्षित रखने में सफल हो पाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हादसे का शिकार होते मजदूर

कोरोना महामारी ने निःसंदेह सबसे ज्यादा मजदूरों पर कहर बरपाया है। सडक हादसों के शिकार होते मजदूरों की तस्वीर मानवता को झकझोरने वाली है। दूसरे प्रदेशों से आ रहे मजदूरों के पांव के छाले, कमर से चिपके पेट, मायूस चेहरा उनकी तंगहाली का बयान करने के लिए काफी हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है, कि कोरोना से जंग में पौष्टिक आहार की मौजूदगी बीमारी से जीत हासिल करने में मददगार होगी। कोरोना संकट में जिन गरीब मजदूरों को दो जून खाना जुटाना मुश्किल हो रहा है, पौष्टिक खाना जैसे शब्द ही बेमायने लगते हैं। देश के अलग–अलग हिस्सों से कामगारों की तस्वीर संकट को गहराने वाली दिखाई दे रही हैं। समाज की अन्तिम पंक्ति का कामगार भूखा, बेबस और बेहाल है। उसके दिलो–दिमाग में कोरोना का खौफ कम और भूख से न लड पाने का डर ज्यादा है, इसलिए अपने गांव–घरों में पहुंचने की जददोजहद से गुजर रहा है। इतिहास के पन्नों की उलट–फेर बताती है, कि हमसे पहले के लोगों ने संकट में घास की रोटियां खाई थी, पेट में पत्थर बांध मीलों चले थे। आज भी कुछ ऐसी खबरें देखने–सुनने को मिल रहीं हैं, कहीं मां अपने बच्चों का दिल बहलाने के लिए पत्थर उबाल कर खिलाने के प्रयास में है, तो कहीं गोरखपुर के कुछ पैदल मजदूर अपनी पेट की आग बुझाने के लिए चावल पानी में भिगोकर खाते हुए नज़र आये क्योंकि किसी के पास राशन नहीं है, तो किसी के पास चूल्हा नहीं है। गरीबी की भयावह तस्वीरें आत्मा को झकझोर रही है। यू. एन. ने चेताया है, कि यदि कोरोना संकट ऐसी ही बरकरार रहा तो आने वाले दिनों में विश्व में तीन महीने तक रोज तीन लाख लोग मरेंगे। विश्व के 36 देशों में अकाल देखने को मिल सकता है। मजदूरों का डर कोरोना से नहीं भूख से है। कि कहीं कोरोना से पहले भूख उन्हें और उनके अपनों को मार न डाले। जिससे देश के मजदूर सडकों पर एक साथ इतनी तादाद में निकल पडे हैं और रोज हादसे का शिकार हो रहे हैं।

निःसंदेह संकट बडा है, देश के सामने कोरोना संकट के साथ–साथ मजदूरों को आर्थिक संकट से निकालने का भी प्रश्न है। सडकों पर निकले ये वहीं मजदूर हैं, जिनसे शहरों की चौराहे रोशन थे, कुछ रेहडी वाले, कुछ चाय–समोसे वाले, कुछ आइस्क्रीम, सब्जी वाले तो कुछ शहरों की उंची–उंची इमारतों को तराशने वाले कामगार है, जो मोटा–माटी सामान के साथ शहर आये थे, चन्द पैसा कमाने। अब अपने गांवों को पैदल ही निकल पडे इस उम्मीद में कि शायद कोई समझेगा उनके दर्द को, पांव में पडे छालों के जख्म को, इन कामगारों के पास ना पैसे हैं, ना कोई वापस जाने का साधन बेबस मजदूर हाइवे से निकले, तो खदेडें गये इसलिए कुछ ने रेल की पटरियों का रास्ता पकडा और निकल पडे अपने घरों को। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के वो 16 मजदूर जो पटरी पर कभी न उठने वाली मौत की नींद सो गये, मौत का यह सिलसिला पहले लॉकडाउन से ही शुरू हो गया था और अभी तक बदस्तूर जारी है। देश के ये कामगार समाज और सरकार के सबसे बडे सहायक हैं। जिनकी सुध लेने वाला दूर–दूर तक नज़र नहीं आ रहा। इन मजदूरों को ये भी नहीं पता जिन रास्तों से ये चल निकले हैं, वो इन्हें घरों तक पहुंचाएगें या नहीं। कई मजदूर सडक हादसे का शिकार हो गये, लेकिन न मजदूरों ने चलना छोडा, न हमारे सिस्टम ने सुध ली, जिससे मजदूरों की मौत का आकंडा बढता ही जा रहा है। सामाजिक दूरी, स्वच्छता, स्वास्थ्य जैसी समस्याओं को हल कर पाना इन कामगारों की क्षमता से परे है। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर में आम से भरा टृक पलटने से 5 मजदूर, मध्यप्रदेश के बडवानी जिले में उत्तरप्रदेश को निकले भूख–प्यास और थकान से मजदूरों की मौत सिस्टम पर सवाल है, हमारी संस्कृति अंतिथि देवो भवः की है, जिसमें दूर देश से आये मेहमानों की आव भगत में लाखों लोगों का हुजूम आसानी से खडा किया जा सकता है, कुछ ऐसी ही व्यवस्थाओं के हकदार ये सशक्त भारत के रचनाकार भी थे, जिनकी सिसकिया इतिहास में नम आंखों से पढी जाएगी।

शहरों से मजदूरों का इस तरह पलायन शहरों को सूना करने वाला है। मजदूरों से पूछें तो वो कहते हैं, कि हम लौटकर अब कभी नहीं आएगे। यह समाज और सरकार के गहन चिन्तन का प्रश्न होना चाहिए, कि जब देश के शहर सूने होंगे तो आर्थिक विकास का पहिया कैसे आगे बढेगा। देश के मजदूर अर्थव्यवस्था चलाने वाले मजबूत कडी है। उनकी उपेक्षा नहीं की जा सकती उनके प्रति उपेक्षा बताती है कि सरकार उनसे किए वायदों पर खरी नहीं उतर रही है। कोरोना संकट ने उन गरीब मजदूर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी गहरा संकट खडा कर दिया है, जिन्होंने सडक पर बच्चों को जन्म दिया और फिर पैदल मीलों का सफर तय किया। कुछ स्वतंत्र शोध कर्ताओं के आंकडे बताते हैं, कि पहले लॉकडाउन से अब तक लगभग 378 लोगों ने सडक से जुडे हादसों में अपनी जान गवाई है। सवाल उठता है, कि इतनी सारी अव्यवस्थाओं का जिम्मेदार आखिर कौन है? कोरोना की महामारी ?या फिर हमारा समाज, या वो सरकार के नुमाइंदे जो वोट मांगने सबसे पहले इन मजदूरों के घर जाते हैं। साथ में खाना खाने की तस्वीरे पोस्ट करते हैं, और यह जताने की कोशिश करते हैं, कि हम सबसे ज्यादा मजदूरों के हमदर्द हैं। सत्ता में आने के बाद रातो–रात इन मजदूरों की तकदीर बदलकर रख देंगे। मजदूरों की चीख–पुकार क्यों अब उनके कानों में नहीं चुभती? कहां गए वो दौलत के लिफाफे जो इन्हें थमाने की फिराक में दिन–भर मजदूरों के घरों के चक्कर काटते थे? सवाल सिस्टम से भी है और सरकार से भी यदि सही तरह से इन मजदूरों का ख्याल रखा होता, खाने पीने और थोडे पैसों का इन्तेजाम कर दिया होता तो शायद इतनी बडी तादाद में कामगार नहीं मरते, कोरोना से मरना महामारी है, सडक हादसे में मरना गैर जिम्मेदारी है। जिनसे लगातार मजदूर हादसे का शिकार हो रहे हैं।

आज का कार्टून।

(विचार–मंथन)

लॉकडाउन का चौथा चरण

लॉकडाउन का चौथा चरण शुरू हो गया। देश में लॉकडाउन–4 का दौर यह बताने के लिए काफी है कि हमने कोरोना की बीमारी को लेकर किस हद तक लापरवाही बरती। न तो सरकार की गाइडलाइन का पालन किया और न ही दुनिया में मची मारामारी से कुछ सीखा। अब भी वक्त है, चौथे चरण में हम खुद में गंभीरता लाएं। लॉकडाउन के तीन चरण पूरे कर लेने के बाद देश कोरोना को मात देने के लिए कमर कस चुका है। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई तमाम मोर्चों पर पूरी शिद्दत के साथ जारी है। भारत में संक्रमण का पता लगाने के लिए किए गए टेस्ट्स की संख्या 20 लाख को पार कर गई है। संसाधनों की सीमा को देखते हुए माना जा रहा था कि यह लक्ष्य इस माह के अंत तक ही हासिल हो पाएगा। मगर सरकारी और गैर–सरकारी लैब्स में एक सप्ताह पहले ही हासिल कर लिया गया।

हमारे यहां कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या अमेरिका और यूरोप से काफी कम है, लेकिन संक्रमण फैलने की गति लगभग वैसी ही है। कुल संक्रमितों की संख्या के मामले में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। चीन हमारा पड़ोसी देश है और उसके साथ भारत की तुलना बात–बात पर होती है, लेकिन महामारी से निपटने के दोनों देशों के तरीके बिल्कुल अलग रहे हैं।

चीन में इस वायरस का प्रकोप मुख्यतः उसके एक शहर वूहान तक सीमित रहा मगर भारत में इसकी शुरुआत पूरे देश के पैमाने पर हुई। यूरोपीय देशों में इससे संक्रमित बिना लक्षणों वाले मरीज भारत के अलग–अलग शहरों में तब आए जब वहां भी इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। भारतीय हवाई अड्डों पर सिर्फ बुखार नापकर उन्हें आगे जाने दिया गया। नतीजा यह कि रोक–छेंक शुरू होने से पहले ही बीमारी देश के हर हिस्से में फैल चुकी थी। याद रहे, शुरू से ही खतरनाक माने जाने के बावजूद इस वायरस को लेकर सरकारों और जनसमूहों का रुख बदलता रहा।

हर देश के जिम्मेदार लोग पहले डिनायल मोड में गए। भारत में तो यह वायरस आ ही नहीं आ सकता, आ भी गया तो मई में पारा 40 डिग्री लांघते ही जुकाम के वायरस की तरह खत्म जाएगा। यह भी कि हमारे देसी नुस्खे इसकी बैंड बजा देने के लिए काफी हैं। जब यह बीमारी इटली में तबाही मचा रही थी, तब भी एक दिन के जनता कफ्र्यू के दौरान लोग इस बात को लेकर आश्वस्त दिखे कि इस मास्टरस्ट्रोक से कोरोना का इंसानी संपर्क टूट जाएगा और उसका खेल खत्म हो जाएगा!

ऐसी गलतफहमियां बीमारी के बढ़ाव के साथ ध्वस्त होती गईं। और अब, तमाम देशों द्वारा अपनी सीमाएं सील करने, एक–दूसरे से हवाई संपर्क तोडने् और तमाम आर्थिक गतिविधियां रोक देने, शारीरिक दूरी और लॉकडाउन का रास्ता अपनाने तथा करोड़ों लोगों को भुखमरी की जद में ला देने का लंबा दौर गुजर जाने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन बता रहा है कि कोरोना वायरस निकट भविष्य में विदा हो जाने वाली चीज नहीं। एड्स के वायरस की तरह हमें इसको दुनिया का स्थायी अंग मानने और सालों साल इससे बच–बचाकर चलने का मन बनाना पड़ सकता है। यह सूचना इतनी भयावह है कि इसे आत्मसात करने में दुनिया को लंबा वक्त लगेगा। लेकिन अब इसके सिवा कोई चारा भी नहीं है। पहले चेत जाते तो यह नहीं करना पड़ता।

(विचार–मनन)

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, 'सारे रूपए आ गए?' मित्र ने कहा, 'साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं।' उसने कहा, 'नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं।' मित्र ने कहा, 'भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं।' उसने कहा, 'मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास।'

ऍसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम –दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें।

पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सप्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सप्रियता को कम करें।

दैनिक पंचांग

19 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	5.01 बजे से
चंद्र	मीन में	मिथुन	7.03 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	9.17 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.33 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	13.45 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	15.55 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.10 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	20.26 बजे से
केतु	धनु में	मकर	22.31 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कुंभ	00.18 बजे से
		मीन	1.51 बजे से
		मेष	3.21 बजे से

मंगलवार 2020 वर्ष का 140 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वादशी 17.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 19.53 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान अहोरात्र।
करण तैतिल 17.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 49'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870523
जूलियन दिन 2458988.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान
तारीख 25 **विशेष** प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कंगन का दान

संस्कृत के कवियों में माघ का श्रेष्ठ स्थान है। वह साधन-संपन्न तो थे ही, दान देने में भी अग्रणी थे। लोगों को विश्वास था कि उनके घर से कोई भी जरूरतमंद कभी खाली हाथ नहीं लौटता। दान देते-देते एक अवसर ऐसा भी आया कि जब वह खुद ही निर्धन हो गए। लेकिन मदद करने की उनकी भावना में कोई कमी नहीं आई। वह लोगों की सहायता के लिए पहले की तरह ही तत्पर रहते थे। एक रात किसी गरीब पुजारी ने उनका दरवाजा खटखटाया। माघ ने दरवाजा खोला तो पुजारी ने बाहर आने का निवेदन किया और कहा, 'मेरी बेटी की शादी है। कैसे विवाह कर पाऊंगा, इस बात की चिंता सताती रहती है। मैं आपसे कुछ सहायता मांगने आया हूं।' कविवर ने सोचा कि इस समय न घर में धन है, न कोई ऐसी वस्तु जो याचक को दी जा सके। कुछ देर सोचने के बाद वह अपनी सोयी हुई पत्नी के पास गए और धीरे से उसका हाथ उठाकर उससे कंगन उतारा। पत्नी की नींद खुल गई, परंतु पति को सामने देखकर उसने आंखें बंद कर लीं। माघ ने बाहर आकर वह कंगन उस पुजारी को दे दिया और उसे वहां से जल्दी भाग जाने के लिए कहा। किंतु पत्नी ने दरवाजे की दरार से सब कुछ देख लिया कि उसके पतिदेव किसको वह कंगन दे रहे हैं। उस पुजारी ने माघ से कहा, 'इस सहयोग के लिए मैं आपका आभारी हूं पर एक कंगन मेरे लिए अपर्याप्त है।' माघ ने कहा, 'अभी तुम एक ले जाओ, दूसरा मैं नहीं दे सकता।' पत्नी ने तुरंत दूसरा कंगन उतारा और बाहर आकर कविवर को देते हुए कहा, 'मुझसे क्यों छुपा रहे थे। जरूरतमंदों की मदद के लिए ही तो हमारा जीवन है। इस व्यक्ति को दूसरे कंगन की भी आवश्यकता है। इसे आप यह भी दे दीजिए।' अपनी पत्नी के व्यवहार से माघ बहुत खुश हुए और उन्होंने दूसरा कंगन भी पुजारी को देकर उसे प्रसन्नतापूर्वक विदा किया।

लॉफिंग ज़ोन

अजय, "तुमने जो पैसे उधार लिए थे, उन्हें भूल गए क्या ?"
विजय, "अगर भूल जाता तो तुम्हें देखकर भागता क्यों?"

☺ ☺ ☺

जेलर, "कैदी कैसे भाग गया। क्या बाहर निकलने के रास्ते बंद नहीं थे?"
चौकीदार, "साहबजी वह बाहर निकलने वाले रास्ते से नहीं भागा, अंदर आने वाले रास्ते से भागा है।"

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति हवलदार से, "आप डरकर क्यों भाग रहे है ?"
हवलदार, "पुलिस स्टेशन में डाकू आ गया है।"

☺ ☺ ☺

चींटी ने हाथी से कहा, "यार तुम मेरी बनियान ले लो और अपनी बनियान मुझे दे दो।"
हाथी, "क्यों ?"
चींटी, "मुझे टैंट लगाना है।"

☺ ☺ ☺

गुरू (छात्रों से), "मछलियां सतह पर आकर बाहर की ओर क्यों झांकती हैं?"
छात्र, "यह देखने के लिए कि उन्हें ललचाई नजरों से कौन देख रहा है।"

☺ ☺ ☺

"बेटा तुम्हें कुत्ते की पूंछ नहीं खींचनी चाहिए, मां ने कहा।
मैंने तो कुत्ते की पूंछ पकड़ी है। खींच तो वही रहा है।"

आज का इतिहास 19 मई

1649 इंग्लैंड को राष्ट्रकुल घोषित किया गया.
1792 रूस ने पोलैंड पर हमला किया.
1897 युनान तुर्की युद्ध में संधि पर हस्ताक्षर किए गए.
1900 ब्रिटेन ने दक्षिणी प्रशांत स्थित टोंगो द्वीप समूह पर कब्जा किया.
1904 प्रसिद्ध उद्योगपति जमशेद जी टाटा का जन्म हुआ.
1913 पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी का जन्म हुआ.
1930 दक्षिण अफ्रीका में श्वेत महिलाओं को मताधिकार मिला.
1945 द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीका के चालीस विमानों ने टोक्यो पर आक्रमण किया.
1971 कनाडा व सोवियत संघ में उच्च स्तरीय सम्पर्क बनाए रखने के लिए मास्कों में एक समझौता हुआ.
1971 भारतीय नौसेना के पहले नौसैनिक अड्डे का उद्घाटन हुआ.
1981 उत्तरी आयरलैंड में आयरिश रिपब्लिकन आर्मी के हमले में ब्रिटेन के पांच सैनिक मारे गए तथा कई अन्य घायल हो गए.
1997 नाट्यकर्मी शंभु मित्रा का निधन.
1998 चीन स्थित भारतीय राजदूत विजय नाम्बियार को परामर्श के लिये दिल्ली बुलाया गया.
1999 मराठी साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर और विख्यात क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के पिता रमेश तेंदुलकर का निधन.
2002 अमृतसर में छः अकाली कार्यकर्ताओं की हत्या.
2004 केरल के मुख्यमंत्री ई.के.नयनार का निधन

(अंडा खाओ हृदय रोग बुलाओ)

(डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

हमीदिया अस्पताल में खाने में अण्डों का दिया जाना कितना उचित हैं!

वर्तमान में हमारी मध्य प्रदेश सरकार जो लोक कल्याणकारी हैं कोरोना के भर्ती मरीज़ों को अलग अलग मेनू के अनुसार खाना दे रही हैं जो अत्यंत प्रशंसनीय हैं और शासन की जिम्मेदारी हैं कि उनका विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। वैसे खान पान पहनावा हर व्यक्ति कि अपनी स्वतंत्रता हैं पर क्या हानिकारक सामग्री परोसना इतना जरुरी हैं के वे आयी बीमारियों से भी ग्रसित हों। कोरोना एक प्रकार से श्वसन संसथान का रोग हैं इसमें ऐसे भोज्य सामग्री देना उचित हो जो मरीज़ों को लाभकारी हो। मांसाहारी अपने घरों में कुछ भी कैसा खाये पर जहाँ अस्पताल हैं वहां सभी वर्ग के लोग भर्ती हो वहां

ऐसे हानिकारक भोज्य दिया जाना उचित नहीं हैं।

इस समय मरीज़ों की रोग प्रतिरोगक्षमता कमजोर होती हैं, उन्हें मांस मछली अंडा कि जगह अन्य पौष्टिक आहार हो हानिरहित हो देना चाहिए, प्रोटीन के लिए मूंगफली चना, सोयाबीन की बर्फी देना उचित और लाभदायक हैं। एक तरफ सरकार अंहिंसा कि बात करती दूसरी तरफ शराब, अंडा, मांस, मच्छली कि वकालत करती हैं। हमारे यहाँ पौष्टिक भोजन के लिए अनेकों खाद्य हैं। उनका भरपूर उपयोग करे और कराएं अंडा खाओ हृदय कैंसर, एलर्जी आदि घातक रोग बुलाओ। वैसे हमारे देश में बिक्री बढ़ाने ऑफर दिए जाते हैं। वैसे ही कोरोना के साथ कैंसर, हृदय रोग मुफ्त में ले जाओं।

ट्रक में शवों के साथ घायल मजदूरों को भेजा जा रहा था झारखंड

औरैया सड़क हादसे का मामलाद, झारखंड सीएम के ट्वीट के बाद यूपी प्रशासन ने ली सुध

इलाहाबाद (ईएमएस)। औरैया हादसे में मारे गए मजदूरों के शवों के साथ अमानवीयता का मामला सामने आया है। औरैया सड़क हादसे के शिकार मजदूरों के शवों को ट्रकों में भरकर झारखंड भेजा रहा था। यही नहीं उसी ट्रक पर शवों के साथ घायल मजदूरों को भी बिठा दिया गया था। झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने इस मामले पर ट्वीट किया और तब जाकर यूपी प्रशासन हरकत में आया और आनन–फानन में शवों को शव वाहन में शिफ्ट किया गया। सीएम हेमंत सोरेन ने इसे अमानवीय करार दिया। उन्होंने एक ट्वीट कर कहा ?कि यह स्थिति अमानवीय और अत्यंत संवेदनहीन है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और बिहार के सीएम नीतीश कुमार से अपील है कि शव को सम्मान के साथ झारखंड बॉर्डर तक भेज दिया जाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ट्रकों को प्रयागराज में दिल्ली–हावड़ा नेशनल हाइवे पर रोका गया। बताया जा रहा है कि बोकारो जा रहे जिस ट्रक पर आठ शवों के साथ मजदूरों को बिठाए जाने की तस्वीर झारखंड सीएम ने ट्वीट की थी उसे भी बाकी ट्रकों के साथ एनएच–2 पर रोका गया। पूरे हाइवे को छावनी में तब्दील कर दिया गया और एक तरफ के रास्ते के ब्लॉक कर दिया गया।

यहां करीब 5 घंटे तक ट्रक खड़े रहे जिसके बाद वहां एंबुलेंस पहुंची और शव वाहन पहुंचे। शवों को उसमें शिफ्ट करके भेजा गया। एक ट्रक के ड्राइवर ने बताया कि शवों से इतनी तेज दुर्गंध आ रही थी कि आगे भी बैठना मुश्किल हो रहा था। बताया जा रहा कि करीब 17 शवों को 3 ट्रकों में भरकर झारखंड के बोकारे और पश्चिम बंगाल भेजा जा रहा था। इनमें से 12 शव झारखंड भेजे जाने थे। मृतक मजदूरों के नाक और मुंह में चूना घुसा हुआ था जिस वजह से कोविड–19 जांच के लिए उनका सैंपल नहीं लिया जा सका था और न ही उनका टेस्ट हो पाया। गौरतलब है ?कि 16 मई को औरैया में मजदूरों से भरे दो ट्रक देर रात 2:45 बजे नैशनल हाईवे पर टकरा गए। इसमें 24 मजदूरों की मौत हो गई थी, जबकि 40 घायल हुए थे। मजदूर चूने लदी बोरियों के नीचे ही दब गए थे। बताया गया कि अधिकतर की मौत उनके मुंह और नाक में चूना घुसने की वजह से हुई।

आपसी विवाद के बाद भाजपा नेता की मौत, इलाके में तनाव

अयोध्या (ईएमएस)। वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण के फैलाव से बचाव के लिए पूरे देश में लॉकडाउन लागू है। इस बीच अयोध्या में सोमवार को हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के पलिया प्रताप शाह गांव के ग्राम

प्रधान जयप्रकाश सिंह और रनर प्रत्याशी राम पदारथ यादव उर्फ नन्हा यादव के बीच विवाद हो गया। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक दूसरे को गोली मार दी। इसमें दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर एसएसपी आशीष तिवारी समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जयप्रकाश सिंह बीजेपी के नेता थे।

बताया जाता है कि मृतक प्रधान जयप्रकाश सिंह बीजेपी सांसद लल्लू सिंह का करीबी था। घटना कि जानकारी होने पर सांसद लल्लू सिंह भी मौके पर पहुंचे थे। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। घटना के पीछे आपसी विवाद माना जा रहा है। फायरिंग में घायल हुए जयप्रकाश सिंह को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी मौत हो गई, जबकि जिला अस्पताल में ही बदमाश की भी मौत हो गई। दोनों की दुश्मनी काफी पुरानी बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है।दूसरी घटना थाना महराजगंज क्षेत्र की है। दो दिन पहले मंशाराम यादव हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या कर लाश को रेत में छुपा दिया गया था। उसका शव पुलिस ने सोमवार को बरामद किया है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच पड़चाल में जुटी है। हिस्ट्रीशीटर मंशाराम यादव सरयू किनारे साधु के भेष में रहकर जमीन खरीदने बेचने का काम करता था।

विवाहिता की मौत मामले में मृतका के भाई की तहरीर पर सास–ससुर समेत पांच पर दहेज हत्या का मामला दर्ज.

ईएमएस(अमेठी):अमेठी जिले कोतवाली अंतर्गत एक गाँव में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत मामले में कोतवाली पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर पांच के विरुद्ध दहेज हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गौरतलब है कि कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रविवार को एक विवाहिता की मौत का मामला प्रकाश में आया था। घटना की जानकारी होने पर मृतका के मायके वाले भी मौके पर पहुंचे थे।मिली जानकारी के मुताबिक ससुराल के लोग मौत की वजह बीमारी बता रहे थे जबकि मृतका के मायके वाले दहेज के कारण प्रताड़ना से मौत का होने का आरोप लगा रहे थे।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया था।कोतवाली पुलिस ने बताया कि मृतका के भाई राम सजीवन पुत्र राम बरन निवासी पूरे कंसा, कबरी नगर कोतवाली सुल्तानपुर की तहरीर पर पति,देवर,ससुर,सास,

और देवरानी के विरुद्ध दहेज हत्या का मामला दर्ज किया गया है। वही पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

उत्तर प्रदेश के सभी केंद्रीय जेलों में कोरोना की टेस्टिंग शुरू

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने

उत्तर प्रदेश के सभी केंद्रीय जेलों में कोरोना की टेस्टिंग शुरू कर दी है।

आगरा सेंट्रल जेल में कैदी की हुई मौत के बाद राज्य सरकार ने यह कार्रवाई की है।

राज्य सरकार के आदेश से उत्तर प्रदेश के सभी केंद्रीय जेलों में बंदी कैदियों एवं

सभी कर्मचारियों और

अधिकारियों की कोरोना की टेस्टिंग करने के आदेश

जारी किए गए हैं।

प्रवासी श्रमिकों को 5 किलो राशन और 1 किलो चना देगी यूपी की योगी सरकार

लखनऊ (ईएमएस)। कोरोनाकाल के चलते देश में लागू लॉकडाउन को 31 मई तक और विस्तार दिया गया है। जिसकी वजह से रोजी–रोटी से परेशान उत्तर प्रदेश के मजदूरों का पलायन थमने का नाम नहीं ले रहा है।

इसी बीच प्रदेश की योगी सरकार लॉकडाउन के दौरान दूसरे राज्यों से लौटे प्रवासी मजदूरों को जल्दी ही सरकारी राशन उपलब्ध कराएगी। इसके तहत प्रति व्यक्ति 5 किलो खाद्यान्न और एक किलो चना प्रति परिवार दिया जाएगा।

बता दें कि मजदूरों के सामने काल बनकर आए लॉकडाउन में प्रदेश सरकार एक माह में दो बार राशन वितरण का काम कर रही है।

पहले वितरण चक्र में सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा घोषित अन्त्योदय, मनरेगा, श्रम विभाग और नगर निगम में पंजीकृत मजदूरों को निशुल्क अनाज के अलावा अवशेष पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न दिया जा रहा है।

प्रति व्यक्ति 5 किलो खाद्यान्न और एक किलो चना प्रति परिवार

जबकि 15 तारीख से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रति व्यक्ति 5 किलो चावल और 1 किलो चना प्रति परिवार दिया जा रहा है।

प्रवासी मजदूरों को राशन देने के लिए अब राशन वितरण का तीसरा चक्र भी इसी महीने से शुरू किया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि प्रवासी मजदूरों को सरकारी राशन की दुकान से राशन कैसे दिया जाए? इस पर मंथन चल रहा है।

ज्ञात हो कि सरकारी अनाज राशन कार्ड पर दिया जाता है और मौजूदा व्यवस्था में राशन कार्ड के लिए आधार जरूरी होता है।

अब कोरोना की विषम परिस्थितियों में तय किया गया है कि प्रवासी मजदूरों को जरूरी शर्तें पूरी ना होने की स्थिति में अस्थाई राशन कार्ड दिया जाए।

उसी के आधार पर उन्हें फिलहाल राशन दिया जाएगा।

प्रियंका गांधी के प्रस्ताव को यूपी सरकार ने किया स्वीकार, मांगी एक हजार बसों की लिस्ट

लखनऊ (ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव एवं उप्र प्रभारी प्रियंका गांधी के प्रस्ताव को उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने स्वीकार कर लिया है। साथ ही एक हजार बसों की लिस्ट मांगी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रवासी श्रमिकों को घर पहुंचाने के लिए 1000 बसें चलाने की अनुमति मांगी थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पार्टी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने में जो खर्च आएगा, वह वहन करेगी। ऐसे में हमें एक हजार बसें चलाने की अनुमति दी जाए।

प्रियंका गांधी के प्रस्ताव को अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने स्वीकार किया है। इसके साथ ही इस संबंध में कांग्रेस महासचिव के निजी सचिव को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि प्रवासी मजदूरों के संदर्भ में प्रियंका गांधी के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है। आप एक हजार बसों की सूची चालक, परिचालक का नाम व अन्य जानकारी उपलब्ध कराने का कष्ट करें, जिससे इनका उपयोग प्रवासी श्रमिकों की सेवा में किया जा सके। विदित हो कि औरैया सड़क हादसे के एक दिन बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्विटर पर वीडियो संदेश के जरिए भी इस बात के लिए आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की तरफ से यूपी सीमा पर श्रमिकों को ले जाने के लिए एक हजार बसें तैयार हैं, इसके लिए आप अनुमति प्रदान करें।

यूपी में अब तक आयीं 590 ट्रेनें, 7.60 लाख श्रमिक पहुंचे गृह प्रदेश

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में प्रवासी कामगारों और श्रमिकों को लेकर सोमवार तक 590 ट्रेनें आ चुकी है और इनके जरिए बीते आठ–नौ दिन में 7.60 लाख से अधिक कामगार प्रदेश में पहुंचे हैं।

अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रवासी श्रमिकों और कामगारों को सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक प्रदेश में वापस लाने के निर्देश दिये हैं। अब तक प्रदेश में 590 ट्रेनें आ चुकी हैं और आठ–नौ दिन में ट्रेनों से सात लाख 60 हजार से अधिक कामगार प्रदेश में पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रवासी श्रमिकों को लाने के लिए 12 हजार बसें लगायी गयी हैं। हर जनपद में 200 निजी बसें उपलब्ध करायी गयी हैं, ऐसे में श्रमिकों को पूरी सहूलियत मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने प्रमुख राजमार्गों एवं एक्सप्रेसवे पर रात में सघन गश्त के निर्देश दिये। उन्होंने परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव एवं परिवहन आयुक्तों तथा अधिकारियों को निर्देश दिये कि मुख्य मार्गों पर रात में सघन गश्त की जाए। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को पीआरवी 112 के जरिए भी गश्त के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने परिवहन विभाग के अधिकारियों से कहा है कि वे बसों को सैनिटाइज करें। चालक एवं परिचालक को दस्ताने एवं मास्क मुहैया करायें। यात्रियों के लिए सैनिटाइजर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जितने भी कामगार और श्रमिक उत्तर प्रदेश आ रहे हैं, पूरी व्यवस्था निष्शुल्क रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रवासी कामगारों एवं श्रमिकों को बस से भेजने के लिए धनराशि भी स्वीकृत की है इसलिए किसी भी प्रवासी कामगार से यात्रा के लिए धनराशि न ली जाए। राज्य सरकार प्रवासी श्रमिकों एवं कामगारों को ट्रेन से प्रदेश में निःशुल्क ला रही है। मुख्यमंत्री ने कोविड–19 संक्रमण की जांच क्षमता दस हजार करने के निर्देश दिये। साथ ही कोविड अस्पतालों में बेड की संख्या एक लाख तक करने के लिए कहा है। फिलहाल 60 हजार बेड इन अस्पतालों में हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्वारंटीन सेन्टर तथा कम्युनिटी किचन की व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त रखा जाए। इनमें साफ–सफाई तथा सुरक्षा के समुचित प्रबन्ध किए जाएं। कम्युनिटी किचन के माध्यम से शुद्ध एवं पर्याप्त भोजन की व्यवस्था की जाए। सभी जरूरतमंदों को कम्युनिटी किचन से भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोने पाए। ग्रामीण व शहरी इलाकों में गठित निगरानी समितियों को सक्रिय रखा जाए। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन द्वारा निगरानी समितियों के सदस्यों से संवाद कर इनके द्वारा किए जा रहे सर्विलांस कार्य की मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने पल्स आक्सीमीटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी क्वारंटीन सेन्टर में यह उपकरण अवश्य हो। उन्होंने कहा कि पल्स आक्सीमीटर उपयोग में आसान ऐसा उपकरण है जिसके माध्यम से किसी भी व्यक्ति में आक्सीजन का स्तर पता किया जा सकता है। निर्धारित प्रतिशत से कम आक्सीजन वाले व्यक्ति को सांस लेने में परेशानी होती है। इसकी मदद से कोरोना संदिग्धों को खोज निकालना आसान हो सकेगा।

रोपड़ में संत योगेश्वर की हत्या, आश्रम में मिला सड़ा–गला शव

– दरवाजा टूटा मिला और मौके से एलईडी टीवी, इनवर्टर और बैटरी भी गायब

इलाहाबाद (ईएमएस)। कोरोना वायरस की महामारी के कारण देश में लागू लॉकडाउन के बीच पिछले कुछ दिनों से संतों की हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं। महाराष्ट्र के पालघर और उत्तर प्रदेश में हुई साधुओं की हत्या अभी अधिक पुरानी भी नहीं हुई थी कि अब पंजाब में एक संत की हत्या की घटना सामने आई है। पंजाब के नवांशहर में संत महा योगेश्वर मुनि देशम का सड़ा–गला शव उनके ही आश्रम से बरामद किया गया। बताया जाता है कि रोपड़ के नजदीक सतलुज नदी के किनारे जंगल में आश्रम बनाकर महात्मा महा योगेश्वर मुनि देशम 40 साल से रह रहे थे। वह 85 साल के थे। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आश्रम की भूमि पर कब्जे या चोरी की नीयत से हत्या को अंजाम दिए जाने समेत कई पहलुओं पर जांच कर रही है। आश्रम के पास तीन एकड़ जमीन है।

संत योगेश्वर मुनि रोपड़ के नजदीक नवांशहर जिले के गांव में सतलुज नदी के किनारे जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे। उनका शव कमरे में बुरी हालत में पड़ा मिला। शव देखकर ऐसा लग रहा था, जैसे कुत्तों ने भी उसे नोच खाया हो। कमरे का दरवाजा टूटा मिला और मौके से एलईडी टीवी, इनवर्टर और बैटरी भी गायब थी। ऐसे में यह वारदात चोरी की नीयत से अंजाम दिए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। संत के भाई ने बताया कि वे पिछले 40 साल से अकेले ही आश्रम बनाकर रहते थे। लॉकडाउन और प्रदेश में लागू कर्फ्यू के कारण यहां श्रद्धालुओं की आवाजाही भी न के बराबर ही थी। योगेश्वर अग्नि अखाड़ा काली कमली वाले ऋषिकेश से संबंधित थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी है। हत्या कब हुई, इसका पता लगाने के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों का सहयोग लिया जा रहा है।

ओप्पो मोबाइल कंपनी के आधा दर्जन कर्मचारी कोरोना पॉजेटिव, फैक्ट्री सील

ग्रेटर नोएडा (ईएमएस)। राजधानी दिल्ली से लगे एनसीआर क्षेत्र ग्रेटर नोएडा स्थित ओप्पो मोबाइल कंपनी के आधा दर्जन कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। इसके बाद फैक्ट्री को सील (बंद) कर दिया गया है।

फैक्ट्री में दोबारा प्रोडक्शन की शुरुआत 8 मई से हुई थी। अब कोरोना पॉजिटिव पाए गए कर्मचारियों के संपर्क में आए लोगों की तलाश की जा रही है और उन्हें क्वारंटीन करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

ओप्पो इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हम सभी कर्मचारियों की सुरक्षा को सबसे आगे रखते हैं। हमने ग्रेटर नोएडा में मोबाइल फोन के विनिर्माण के सभी कार्यों को स्थगित कर दिया है और 3000 से अधिक कर्मचारियों का कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है, अभी टेस्ट का रिजल्ट आना बाकी है।

ओप्पो इंडिया ने कहा कि कोरोना टेस्ट में निगेटिव पाए गए कर्मचारियों को सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल के बाद फैक्ट्री आने की इजाजत दी जाएगी।

हम कर्मचारियों को फैक्ट्री परिसर में सुरक्षित रखने और कीटाणुरहित करने के लिए कड़े कदम उठा रहे हैं।

इस बीच नोएडा से सटे दिल्ली में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 10 हजार का आंकड़ा पार कर चुकी है।

दिल्ली में अब कोरोना के मामले 10 हजार 54 है, हालांकि राहत की बात ये है कि मौत के नए मामलों में कोई खास इजाफा नहीं हुआ है और बीते 24 घंटे में 299 ही नए मामले सामने आए हैं।

मार्च से मजदूरों को नहीं मिला वेतन, फैक्टरी के बाहर शुरु किया धरना

नोएडा (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में परिधान निर्यात करने वाली एक फैक्टरी के बाहर सोमवार को मजदूरों ने प्रदर्शन किया। मजदूरों का आरोप है कि फैक्टरी प्रबंधन ने मार्च से वेतन नहीं दिया है। किसी संभावित स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) हरीश चंदर ने बताया कि थाना फेस–तीन क्षेत्र के तहत आने वाले इलाके में परिधान निर्यात करने वाली एक फैक्टरी है। यह लॉकडाउन की वजह से मार्च से बंद थी। इसे सरकार के आदेश पर खोला गया है। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह जब मजदूर काम करने पहुंचे तो उन्होंने कंपनी प्रबंधन को अवगत कराया कि उन्हें मार्च से अब तक का वेतन नहीं मिला है।

चंदर ने कहा कि मजदूरों ने पहले वेतन देने और फिर काम करने की बात कही। जब फैक्टरी प्रबंधन ने वेतन देने में आनाकानी की तो मजदूरों ने हंगामा शुरू कर दिया तथा फैक्टरी के द्वार पर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मजदूरों को समझाना–बुझाना चाहा, लेकिन वे शांत नहीं हुए। पुलिस अधिकारी फैक्टरी प्रबंधन तथा मजदूरों के बीच वार्ता करा रहे हैं। वहीं फैक्टरी प्रबंधन का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से फैक्टरी बंद थी और उन्हें खरीदार से भुगतान नहीं मिला है, जिस वजह से मजदूरों को वेतन देने में असुविधा हो रही है।

पत्नी लॉकडाउन में फंसी, पति ने चचेरी बहन से किया निकाह

बरेली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक गजब घटना देखने को मिली, यहां लॉकडाउन के चलते पत्नी मायके में फंस गई थी, जिसके बाद पति ने अपनी चचेरी बहन से निकाह कर लिया। पत्नी नसीम ने अब केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की बहन फरहत नकवी के 'मेरा हक एनजीओ से मदद मांगी है। फरहत नकवी ने कहा कि इस मामले की शिकायत जल्द ही पुलिस के पास दर्ज की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पीड़ित महिला नसीम को न्याय मिले। नसीम का निकाह 2013 में नईम मंसूरी से हुआ था। दंपती के तीन बच्चे हैं। नसीम 19 मार्च को अपने माता–पिता से मिलने मायके गई थी, जहां लॉकडाउन के कारण वह रुक गई। नसीम को हाल ही में पता चला कि उसके पति ने लॉकडाउन के बीच अपने रिश्तेदार से निकाह कर लिया है और अब उसी के साथ रहने लगा है। जब उसे इस मामले में पता चला तो, किसी न किसी तरह से वह घर पहुंचने में सफल रही, और वहां पहुंचने पर उसने इस शादी को लेकर आपत्ति जताई। पति ने कहा कि वह दोनों पत्नियों को रखने के लिए तैयार है, लेकिन नसीम ने इनकार कर दिया।

आजमगढ में बिना भूमि–भवन वाले विद्यालयों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश

आजमगढ़(ईएमएस)। बिना भूमि वाले विद्यालयों को लेकर मंडलायुक्त की आंखे टेढ़ी हो गई है। कमिश्नर ने एक शिकायत मिलने के बाद ऐसे विद्यालयों के खिलाफ कार्यवाही किए जाने के क्रम मे तीन दिनों में आख्या तलब की है। मंडलायुक्त कनक त्रिपाठी ने सोमवार को ईएमएस से बाचतीत में बताया कि बिना भूमि वाले विद्यालयों पर जिलाधिकारी के द्वारा कार्यवाही नही किए जाने की शिकायत उन्हे मिली है जिसमें यह कहा गया है कि सांसद और विधायक निधि की लूट के सम्बंध में अदालत में दाखिल पीआईएल मे हुए आदेश के अनुसार डीएम के यहा से मामले की चल रही जांच को पूर्ण होने बाद बिना भूमि वाले विद्यालयों के खिलाफ कार्यवाही नही की जा रही है। उन्होंने इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कार्यवाही कर तीन दिनों में आख्या तलब की है। उन्होने बताया कि उन्हे लालता यादव ने गत दिवस को इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया कि सांसद विधायक निधि की लूट के सम्बन्ध ान में जनहित याचिका संख्या में हुए आदेश से जिलाधिकारी आजमगढ के यहॉ चल रही जॉच पूर्ण होने के बाद भी बिना भूमि–भवन वाले विद्यालयों पर कार्यवाही नहीं की जा रही है। शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना में जनपद के कुल 21 ऐसे विद्यालयों की सूची उपलब्ध कराई गयी है जिसके सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा उक्त विद्यालयों के नाम कोई भूमि नहीं होने का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इसके अलावा शिकायकर्ता ने ऐसे विद्यालयों द्वारा निधि से प्राप्त की गयी ध ानराशि को भी स्पष्ट रूप से अंकित किया है। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा है कि जिलाधिकारी आजमगढ़ द्वारा बिना भूमि–भवन वाले कतिपय विद्यालयों के विरुद्ध कार्यवाही की गयी है परन्तु कुछ विद्यालयों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की गयी है। उन्होंने बताया कि प्राप्त शिकायत एवं उपलब्ध कराये गये साक्ष्यों के परिप्रेक्ष्य में जिलाधिकारी आजमगढ़ को निर्देश दिया है कि प्रार्थना पत्र में उल्लिखित तथ्यों के सम्बन्ध में अग्रेतर कार्यवाही कराते हुए कृत कार्यवाही से तीन के अन्दर अवगत करायें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत और राजकोट के बाद अब अहमदाबाद में पुलिस–श्रमिकों के बीच झड़प

अहमदाबाद पिछले 50 से भी अधिक दिनों से लॉकडाउन के कारण गुजरात में फंसे प्रवासी श्रमिकों का धैर्य जवाब देने लगा है और अब वह हिंसा पर उतर आए हैं। सूरत, राजकोट समेत राज्य के कई शहरों में पुलिस और प्रवासी श्रमिकों के बीच झड़प हो चुकी है। आज अहमदाबाद में वस्त्रापुर के आईआईएम रोड पर अपने गृह राज्य भेजने की

श्रमिकों ने पुलिस पथराव शुरू कर दिया।

के बाद जोन 1 स्क्वॉड समेत क्राइम ब्रांच का काफिला मौके पर पहुंच गया और कंस्ट्रक्शन साइट पर रहने वाले करीब 30 जितने प्रवासी श्रमिकों को हिरासत में ले लिया। बता दें कि बीते दिन राजकोट के शापर में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिकों ने हाईवे पर जमकर बवाल किया था।

हाईवे से गुजरने वाले प्रत्येक वाहनों में तोड़फोड़ की थी। प्रवासी

पुलिस ने बल प्रयोग कर हालात पर काबू पाया, कई श्रमिक हिरासत में लिए गए

मांग के साथ प्रवासी श्रमिकों ने भारी हंगामा किया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने श्रमिकों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन प्रवासी

हालात बिगड़ते देख पुलिस ने टियर गैस का उपयोग कर भीड़ को तितर बितर किया। घटना

श्रमिकों ने पुलिस और मीडियाकर्मियों को भी नहीं बख्शा। इस मामले में राजकोट पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया था।

सूरत 600 की रेल टिकट 3000 में बेचते दो शख्स गिरफ्तार

सुरत में फॉर्म भरने वाले और अभी तक जाने वाले का अगर डेटाबेस अधिकारीयों के द्वारा जाँच किया जाय तो आने नेता , सेवक , सोसायटी प्रमुख , के नाम आने की संभावना भी हैं?

सूरत शहर के पांडेसरा क्षेत्र में रेल टिकट की कालाबाजारी करते दो शख्सों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए दोनों शख्स मजबूर प्रवासी श्रमिकों से रु. 600 कीमत का रेल टिकट के रु. 3000 वसूल रहे थे।

गुजरात में बसे प्रवासी श्रमिकों को धैर्य जवाब देने लगा है और राज्य के कई शहरों में पुलिस के साथ झडप की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

किसी भी कीमत पर प्रवासी श्रमिक अपने गृह राज्य लौटना चाहते हैं और इसके लिए वह मुंहमांगे दाम देने को तैयार हैं। सूरत में ऐसे प्रवासी श्रमिकों की मजबूरी का फायदा उठाने वाले दो शख्सों को पांडेसरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

दीनानाथ मौर्य और विनय मौर्या नामक दो शख्स रु. 600 के रेल टिकट रु. 3000 प्रवासी श्रमिकों से वसूलने जा रहे थे। रेल टिकट की कालाबाजारी कर रहे दो शख्सों को स्थानीय लोगों ने दबोच लिया और पांडेसरा पुलिस के हवाले कर दिया।

दरअसल सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के गणपतनगर में रह रहे कई प्रवासी श्रमिक उत्तर प्रदेश जाना चाहते हैं और उसके लिए उन्होंने पंजीकरण भी करवा दिया है।

कई लोगों ने रु. 600 से रु. 810 रुपए का भुगतान भी कर दिया है। इसके बावजूद न तो उन्हें टिकट मिला है और न ही कोई सूचना मिली है कि ट्रेन कब जाएगी।

ऐसे श्रमिकों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए दो शख्सों ने टिकट के लिए बुलाया था और कहा था कि वह ज्यादा रुपए देंगे तो उन्हें तत्काल टिकट मिल जाएगा।

कोरोना से अहमदाबाद में पुलिस हेड कांस्टेबल की मौत

अहमदाबाद । शहर के कृष्णनगर पुलिस थाने में सेवारत एक हेड कांस्टेबल की कोरोना ने जान ले ली। सेवा के दौरान कोरोना संक्रमित होने के बाद हेड कांस्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के कृष्णनगर पुलिस थाने में सेवारत हेड कांस्टेबल भरतजी सोमाजी की 16 मई को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद गांधीनगर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान भरतजी सोमाजी की मौत हो गई। कृष्णनगर पुलिस थाने में सेवारत अन्य कर्मचारी एएसआई रणजीतसिंह की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। एएसआई की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद कृष्णनगर पुलिस थाने की डी स्टाफ की टीम को कोरन्टाइन किया गया है। बता दें कि गुजरात में कोरोना का सबसे ज्यादा प्रकोप अहमदाबाद में है। गुजरातभर में अब तक 11380 मामले दर्ज हो चुके हैं। जिसमें इकलौते अहमदाबाद के 8420 केस सामने आए हैं। कोरोना से राज्य में अब तक कुल 659 लोगों की मौत हो हुई है, जिसमें सबसे अधिक 524 मरीज केवल अहमदाबाद के थे।

गुजरात में रेड जोन में नहीं मिलेगी कोई रियायत

अहमदाबाद(ईएमएस)। गुजरात में मंगलवार से लागू होने वाले लॉक डाउन के चौथे चरण में ग्रीन जोन को छोड़कर रेड जोन में कंटेनमेंट एरिया में कोई रियायत नहीं दी जाएगी। सोमवार को देर शाम मुख्यमंत्री विजय रूपानी ने जिला कलेक्टर जिला विकास अधिकारी तथा महानगरपालिका के आयुक्तों के साथ बैठक के बाद गाइडलाइन तैयार की है।

गाइडलाइन के मुताबिक आवश्यक वस्तुओं दवा दूध सब्जी व राशन परचून की दुकानों के अलावा फर्नीचर टिंबर मर्चेंट स्टेशनरी पान मसाला व अन्य दुकानों को खोलने के साथ स्नान कंटेंटमेंट जोन में ऑटो व बस परिवहन को कुछ शर्तों के साथ खोलने की इजाजत दी गई है।

सिनेमा – मॉल बंद रहेंगे, धार्मिक स्थल और धार्मिक आयोजन बंद रहेंगे। राजनीतिक पार्टियों के कार्यक्रम के अलावा सामाजिक कार्यक्रमों पर रोक रहेगी। कोई भी ऐसा आयोजन जिसमें 50 से अधिक लोगों की भीड़ एकत्र होने की संभावना हो नहीं किया जाएगा।

सरकारी और निजी दफ्तरों में 30: कर्मचारियों को आने की इजाजत होगी। उद्यमों को शर्तों के साथ खोला जाएगा। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सैनिटाइजर, मास्क इत्यादि अनिवार्य रहेंगे। कर्मचारियों की थर्मल स्क्रीनिंग होगी और बुखार खांसी आदि से पीड़ित कर्मचारियों को कार्य स्थल पर पहुंचने की इजाजत नहीं रहेगी। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने और लॉक डाउन का उल्लंघन करने पर जुर्माने तथा सजा का प्रावधान है। शाम 7:00 बजे से लेकर अगले दिन सवेरे 7:00 बजे तक संपूर्ण लॉक डाउन पूरे प्रदेश में लागू रहेगा। इस दौरान आवागमन सहित सभी गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। अनिवार्य कार्यों के लिए या इमरजेंसी की स्थिति में संबंधित अधिकारी अथवा प्राधिकरण से पास बनवाना पड़ेगा।

श्रमिकों को लेकर जा रही सिटी बस में लगी आग, बड़ी जानहानि टली

वडोदरा । शहर के खोडियारनगर के निकट प्रवासी श्रमिकों को ले जा रही सिटी बस में अचानक आग लगने की घटना से अफरातफरी मच गईद्य देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि आग लगते ही श्रमिक बस से बाहर निकल गए, वर्ना बड़ी जानहानि हो सकती थी। जानकारी के मुताबिक लॉकडाउन के चलते पिछले 50 से भी अधिक दिनों से फंसे प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजने की सरकार की ओर से व्यवस्था की गई है। ऐसे प्रवासी श्रमिकों को सिटी बस के जरिए आज वडोदरा के सयाजीगंज ले जाया रहा था। उस वक्त शहर के खोडियारनगर निकट शॉटसर्किट वजह से बस में अचानक आग भड़क उठी। आग लगते ही बस में सवार श्रमिकों में अफरातफरी मच गई। गनीमत रही कि समय रहते ड्राइवर समेत सभी श्रमिक बस से नीचे उतर गए, वर्ना बड़ी जानहानि हो सकती थी। देखते ही आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लियाद्य दूर दूर तक आसमान में काले धुएं का गुबार नजर आ रहा था, जिससे आसपास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। घटनास्थल पर पहुंची फायर टीम ने आग पर काबू पाया।

गुजरात में कोरोना के 366 नए केस, 35 मरीजों की मौत, 305 ठीक हुए

अहमदाबाद में कोरोना के सबसे अधिक 266 केस, 31 लोगों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में 366 नए केसों के साथ कोरोना पॉजिटिव केसों का आंकड़ा 11746 पर पहुंच गया है ।366 नए केसों में सबसे अधिक मामले अहमदाबाद में 263 सामने आए हैं। पिछले 24 घंटों में राज्य में 35 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई और 305 लोग ठीक हुए हैं। कोरोना का सबसे अधिक कहर अहमदाबाद में है जहां अब तक 8683 केस दर्ज हो चुके हैं। जिसमें 555 मरीजों की मौत हो चुकी है और 2841 लोग ठीक हुए हैं।

प्रमुख स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि गुजरात में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 366 मामले सामने आए हैं। 366 मामलों में सबसे अधिक 263 केस अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं। वहीं सूरत में 33, वडोदरा में 22, गांधीनगर में 12, भावनगर में 4, राजकोट में 1, अरवल्ली में 3, महीसागर में 2, खेडा में 1, पाटन में 7, साबरकांठा में 1, दाहोद में 4, कच्छ में 3, वलसाड में 6, जूनागढ़ में 3 और सुरेन्द्रनगर में 1 केस दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना से 35 लोगों ने जान गंवाई है। जिसमें अहमदाबाद में सबसे अधिक 31 मरीजों की मौत हो गई। जबकि सूरत में 2, पाटन और भरुच में 1–1 मरीज की मौत हो गई। इस दौरान राज्य में 305 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। अहमदाबाद में 117 पुरुष और 64 महिलाओं समेत 181 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी गई। अरवल्ली में 4, बनासकांठा में 6, भावनगर में 1, गांधीनगर में 2, जामनगर में 9, खेडा में 2, मेहसाणा में 6, पंचमहल में 4, पाटन में 3, साबरकांठा में 4, सूरत में 36 और वडोदरा में 47 लोगों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 148824 टेस्ट किए गएद्य जिसमें 137078 नेगेटिव और 11746 लोग कोरोना संक्रमित पाए गएद्य राज्य में कोरोना के कुल 11746 मामलों में 6210 मरीजों की हालत स्थिर है और 38 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जबकि अब तक 4804 लोग स्वस्थ हुए हैं और 694 मरीजों की मौत हो चुकी है। जयंति रवि ने बताया कि अहमदाबाद में 263 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 8683 पर पहुंच गया है।

सूरत में 1127, वडोदरा में 682, गांधीनगर में 180, भावनगर में 112, बनासकांठा में 83, आणंद में 83, राजकोट में 80, अरवल्ली में 81, मेहसाणा में 75, पंचमहल में 71, बोटाद में 56, महीसागर में 50, खेडा में 47, पाटन में 49, जामनगर में 35, भरुच में 32, साबरकांठा में 39, गिर सोमनाथ में 25, दाहोद में 28, छोटाउदेपुर में 21, कच्छ में 31, नर्मदा में 13, देवभूमि द्वारका में 12, वलसाड में 15, नवसारी में 8, जूनागढ़ में 9, पोरबंदर में 5, सुरेन्द्रनगर में 5, मोरबी में 2, तापी में 2, डांग में 2, अरवल्ली में 2 और अन्य राज्य 1 समेत राज्यभर में कोरोना केसों का आंकड़ा 11746 पर पहुंच गया है।

सीबीएसई बोर्ड की 10वीं–12वीं की डेटशीट की घोषणा, 1 से 15 जुलाई तक आयोजित होगी परीक्षा

सीबीएसई बोर्ड की 10वीं–12वीं की डेटशीट की घोषणा, 1 से 15 जुलाई तक आयोजित होगी परीक्षा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा की डेटशीट से जुड़ी अहम जानकारी का मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने खुलासा कर दिया है। साथ ही सीबीएसई बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की बची हुई परीक्षाओं के लिए नई डेट शीट की घोषणा कर दी गई है। अब ये तय हो गया कि बचे हुए 29 विषयों में से कौन से पेपर किस दिन आयोजित किया जाएगा। सीबीएसई बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की बची हुई परीक्षाएं 1 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित की जाएंगी। सुबह 10.30 से 1.30 के बीच आयोजित होने वाले है।

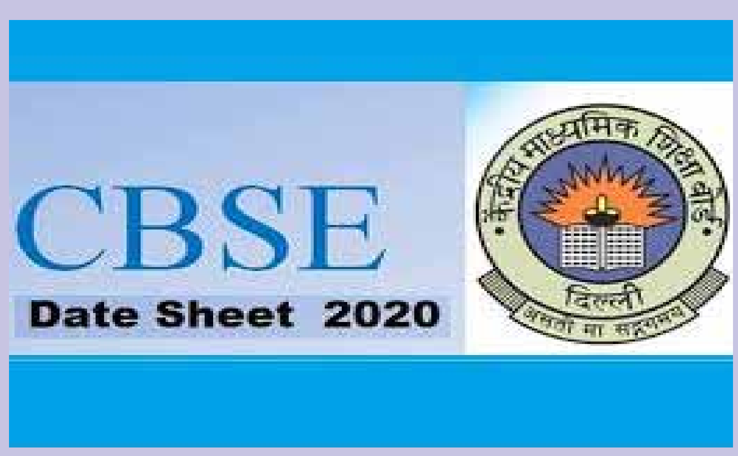

दसवीं के पेपर

1. हिंदी कोर्स ए : 10 जुलाई, सब्जेक्ट कोड 002
2.हिंदी कोर्स बी : 10 जुलाई, सब्जेक्ट कोड 085
3.इंग्लिश कम्युनिकेशनः15जुलाई, सब्जेक्ट कोड 101
4. इंग्लिश लेंग्वेज एंड लिटरेचर : 15 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–184
5. साइंसः 2 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–086
साइंस विदआउट प्रेक्टिकल, सब्जेक्ट को–090
6. सोशल साइंस : 1 जुलाई विषय कोड–87

12वीं के पेपर (देशभर में)

1. बिजनेस स्टडीज : 09 जुलाई,सब्जेक्ट कोड–054
2. ज्यॉग्राफी : 11 जुलाई,सब्जेक्ट कोड–029
3. हिंदी, इलेक्टिव : 2 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–002
4. हिंदी कोर : 2 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–302
5. होम साइंस : 01 जुलाई कोड–064
6. सोशियोलॉजी : 13 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–039
7. कंप्यूटर साइंस, ओल्ड : 07 जुलाई,सब्जेक्ट कोड–283
8. कंप्यूटर साइंस, न्यू : 07 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–083
9. इन्फॉर्मेशन प्रैक्टिस, ओल्ड : 07 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–265
10. इन्फॉर्मेशन प्रैक्टिस, न्यू : 07 जुलाई, सब्जेक्ट कोड– 065
11. इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी : 07 जुलाई, सब्जेक्ट कोड– 802
12. बायो टेक्नोलॉजी : 10 जुलाई, सब्जेक्ट कोड– 045

12वीं के पेपर (उत्तर–पूर्वी दिल्ली में)

1. इंग्लिश इलेक्टिव–एन : 8 जुलाई, सब्जेक्ट कोड 001
2. इंग्लिश इलेक्टिव–सी : 8 जुलाई सब्जेक्ट कोड 101
3. इंग्लिश कोर : 8 जुलाई, 3 जुलाई, सब्जेक्ट कोड 301
4. मैथमैटिक्स : 15 जुलाई, सब्जेक्ट कोड 041
5. इकोनॉमिक्सः 5 जुलाई, सब्जेक्ट कोड 030
6. बायोलॉजी : 15 जुलाई, सब्जेक्ट कोड 044
7. पॉलिटिकल साइंस : 4 जुलाई, सब्जेक्ट कोड 028
8. हिस्ट्री : 15 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–027
9. फिजिक्स : 3 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–042
10. अकाउंटेंसी : 4 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–055
11. केमिस्ट्री : 6 जुलाई, सब्जेक्ट कोड–043

सीबीएसई बोर्ड दसवीं की परीक्षाएं देशभर में आयोजित न कराकर सिर्फ उत्तर–पूर्वी दिल्ली में आयोजित कराएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर–पूर्वी दिल्ली में हिंसा के चलते इन क्षेत्रों में परीक्षाएं आयोजित नहीं हो सकी थीं।इसकारण उत्तर–पूर्वी दिल्ली को छोड़कर देश के बाकी स्टूडेंट्स को सीबीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षाएं नहीं देनी हैं। हालांकि 12वीं की परीक्षाएं देशभर में आयोजित होंगी। सीबीएसई के हो चुके पेपर की कॉपियों के मूल्यांकन का काम शुरू हो चुका है। बोर्ड के अनुसार बाकी बचे हुए पेपर की कॉपियों के मूल्यांकन का काम भी तेजी से पूरा कर लिया जाएगा। जबकि सीबीएसई बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की बची हुई परीक्षाएं 15 जुलाई तक खत्म कर ली जाएंगी तो माना जा रहा है कि अगस्त के मध्य तक इन परीक्षाओं का परिणाम भी घोषित कर दिया जाएगा। ऐसा इसकारण भी है क्योंकि सीबीएसई पेपर खत्म होने के एक महीने के अंदर ही नतीजों का ऐलान करता रहा है।

कक्षा 12 सामान्य संकाय के परिणाम की घोषणा में अभी वक्त लगेगा

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से ली गई कक्षा 12 विज्ञान संकाय के नतीजे रविवार को जारी होने के बाद आज खबर उड़ी कि मंगलवार को कक्षा 12 सामान्य संकाय के परिणाम की घोषणा की जाएगी। हांलाकि कुछ समय बाद शिक्षा बोर्ड ने इसे कोरी अफवाह करार देते हुए बताया कि नतीजे आने में अभी देर लगेगी। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष एजे शाह ने स्पष्ट किया कि मंगलवार को किसी परिणाम की घोषणा नहीं की जाएगीद्य कक्षा 12 सामान्य संकाय के नतीजे जारी करने की किसी ने अफवाह फैलाई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल नतीजों की घोषणा करने की हमारी कोई तैयारी नहीं है।

क्योंकि हमारे पर्याप्त मानव बल नहीं है। गौरतलब है कि बीते दिन कक्षा 12 विज्ञान संकाय के परिणामों की घोषणा के बाद सोमवार को सोशल मीडिया पर शिक्षा बोर्ड के नाम से एक लेटर वायरल हुआद्य जिसमें कहा गया था कि कक्षा 12 सामान्य संकाय के नतीजों को मंगलवार को सुबह 8 बजे बोर्ड की वेबसाइट पर जारी किया जाएगाद्य किसी शरारती तत्व की ओर से सोशल मीडिया पर शिक्षा बोर्ड के नाम से लेटर वायरल किया गया थां

मनरेगा योजना के अतंगर्त नवसारी जिल्ला के 249 ग्राम पंचायत में 12,867 मजदूरों को रोजगार मिला

पूरे देश में चल रहे महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के बाद लोकडाउन होने से बेरोजगार हुए मजदूरों को मनरेगा योजनाएं के अंतर्गत मजदूरों को रोजगार मिला.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)